कार्यालय जिला पंचायत (ग्रामीण विकास), छिन्दवाड़ा

सफलता की कहानी

:: पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्राम पंचायत ने की पहल ::

डेढ़ एकड़ भूमि पर किया पौधरोपण

पर्यावरण प्रदूषण के लिए पेड़ों की कटाई को एक कारण माना जाता है। जहां हरे–भरे पेड़–पौधे न हो, वहां की वायु भी ज्यादा शुद्ध नहीं मानी जाती। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हर्रई विकासखंड की ग्राम पंचायत साठिया ने अधिक से अधिक पौधे लगाने की पहल की है। ग्राम पंचायत ने ग्राम सभा में प्रस्ताव लेकर पड़ित भूमि पर सैंकड़ों पौधें रोपित कर दिए, जो वर्तमान में फलफूल रहे हैं।

सरपंच श्री नन्हेलाल उईके ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत वर्ष 2007–08 में गांव के गौशाला क्षेत्र में करीब डेढ़ एकड़ भूमि पर वृक्षारोपण का कार्य किया गया है। नीम, बांस, सागौन, आंवला, गुलमोहर आदि के 650 पौधे रोपित किए हैं। इनकी सुरक्षा के लिए सीपीटी कार्य कराया गया है। साथ ही किनारे पर जेट्रोफा के पौधे लगाए हैं। श्री उईके ने बताया कि गांव के करीब दो दर्जन मजदूरों को 69 रूपए टास्क रेट पर मजदूरी प्रदान की गई। मजदूरों को गांव में ही रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हुए हैं। उन्होंने बताया कि गौशाला क्षेत्र की जमीन बंजर पड़ी हुई थी, कोई उपयोग नहीं हो रहा था। इसलिए ग्राम सभा में प्रस्ताव लेकर वृक्षारोपण का निर्णय लिया गया। आज भी पौधे बहुत अच्छी स्थिति में है। पौधों की नियमित देखरेख की जा रही है। ग्राम पंचायत द्वारा चैतू धुर्वे नामक मजदूर को पौधों की देखरेख के लिए मजदूरी पर रखा है। चैतू पिछले 2 माह से पौधों की देखरेख कर रहा है। स्कूल प्रांगण में लगे हैण्डपंप से पौधों को पानी दिया जाता है। चैतू ने बताया कि लगभग सभी पौधे अच्छी अवस्था में है। मुझे भी गांव में ही रोजगार मिल गया।

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत का यह निर्णय ग्रामहित में है। पौधरोपण से गांव का पर्यावरण अच्छा रहेगा। पौधे जब वृक्ष बन जाएंगे, तब पंचायत को भी आय होगी। ग्रामीण इसे अच्छा प्रयास मान रहे हैं ।